

देश में घटी एलपीजी की खपत



नवभारत न्यूज नेटवर्क
नई दिल्ली , 04 सितंबर भारत में घरेलू और अन्य क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली एलपीजी पानी रईस की खपत में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है. अप्रैल से अगस्त 2026 के बीच देश में एलपीजी की खपत करीब 16 फीसदी घटकर 11.3 मिलियन टन रह गई. पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 13.4 मिलियन टन था. तेल मंत्रालय के

ईरान संकट के बीच बदली तस्वीर, पीएनजी की ओर बढ़ रहे लोग
पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के डेटा के मुताबिक, एलपीजी की खपत में यह कमी ऐसे समय आई है जब पश्चिम एशिया में तनाव और युद्ध के कारण एलपीजी की सप्लाई पर असर पड़ा है. इसके साथ ही सरकार अब ज्यादा से ज्यादा घरों को पीएनजी पानी जरिए मिलने वाली प्राकृतिक गैस से जोड़ने पर जोर दे रही है. के

बढ़कर 18.9 मिलियन टन हो गई. की बढ़कर 40.5 मिलियन ट सही. अगस्त में पेट्रोल की खपत 7.9 फीसदी बढ़कर 3.8 मिलियन टन और 6.4 के मुताबिक बारिश के पैटर्न में बला के कारण कई इलाकों लिए जा रहा था देश में एलपीजी की खपत में आई तेज गिरावट ने ऊर्जा इस्तेमाल के

बदलते रूझान की तस्वीर सामने रखी है. अप्रैल से अगस्त 2026 के बीच भारत में घरेलू और अन्य क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली एलपीजी की खपत करीब 16 फीसदी घटकर 11.3 मिलियन टन रह गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 13.4 मिलियन टन थी.

इंसानों जैसी सोच वाला एआई, नए मॉडल ने मचाई हलचल

नवभारत न्यूज नेटवर्क
नई दिल्ली, 4 सितंबर. कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दुनिया में नए मॉडल को लेकर हलचल तेज हो गई है. दावा है कि यह मॉडल केवल सवालों के जवाब देने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कंप्यूटर पर कई जटिल काम खुद पूरा कर सकेगा. वेबसाइट बनाना, कोड तैयार करना, खेल विकसित करना और साइबर सुरक्षा से जुड़े कार्यों को संभालना इसकी प्रमुख क्षमताओं में शामिल बताए जा रहे हैं. नया मॉडल कंप्यूटर आधारित कामों को पुराने मॉडल की तुलना में अधिक तेजी से पूरा कर सकता है. एक उदाहरण में दावा किया गया जिस मकान की तलाश में इंसान को करीब छह घंटे लग सकते हैं, उसे इस मॉडल ने दस मिनट से भी कम समय में पूरा किया.

96 प्रतिशत कारोबार रुपया-रुबल में



फिर से तेजी आई. रूसी कंपनियों को थी शिकायत- रूसी कंपनियों ने पहले द्विपक्षीय लेन-देन में रुपये (जो पूरी तरह से कन्वर्टिबल करेंसी नहीं है) के जमा होने और ट्रेड असंतुलन की शिकायत की थी, क्योंकि रूसी तेल के बढ़ते आयात के मुकाबले रूस को भारत का निर्यात कम था. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अभी 22 रूसी बैंक और 17 भारतीय बैंक द्विपक्षीय व्यापार में सेवाएं दे रहे हैं.

ट्रांजेक्शन एक मिनट से भी कम समय में हो रहे पूरे
अनुसार रूस और भारत के बीच 90% ट्रांजेक्शन 10 मिनट के अंदर पूरे हो जाते हैं, जबकि 50% से ज्यादा ट्रांजेक्शन एक मिनट से भी कम समय में पूरे हो जाते हैं. बीते सोमवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के साथ बढ़ते आर्थिक संबंधों की तारीफ की. दोनों देशों के बीच 2030 तक 100 अरब डॉलर का ट्रेड पहुंच सकता है.

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में जियो के 10 साल बेमिसाल

नवभारत कनेक्ट
रायपुर, 4 सितंबर दस साल पहले मोबाइल हाथ में था, लेकिन इंटरनेट की रफ्तार और पहुंच आज जैसी नहीं थी। महंगा डेटा और सीमित कनेक्टिविटी
► 5.09 करोड़ तक पहुंचा ग्राहक आधार
► 58.4 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी

डिजिटल दुनिया की राह में बड़ी बाधा थे। वर्ष 2016 में रिलायंस जियो के आगमन के बाद देश के दूरसंचार परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया। मोबाइल इंटरनेट सुविधा से आगे बढ़कर रोजमर्रा की जरूरत बन गया। मध्यप्रदेश और

भविष्य के लिए हाइड्रोजन व परिवहन क्षेत्र में नवाचार पर जोर

इंडियन ऑयल के सहयोग से पुणे में ऊर्जा नवाचार कार्यक्रम आयोजित, 30 गहन-तकनीकी स्टार्टअप का होगा चयन



नवभारत कनेक्ट
पुणे, 4 सितंबर इंडियनऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने वेंचर सेंटर और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद की राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला के साथ मिलकर भारत के प्रमुख ऊर्जा नवाचार त्वरक कार्यक्रम एमसीएट प्लस इगनाइट के पुणे आउटरीच कार्यक्रम सह-मेजबानी की. राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला के मुख्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम का विषय 'ऊर्जा नवाचारों को आगे बढ़ाना' रहा. इसमें देश की प्रमुख ऊर्जा कंपनियों, अनुसंधान संस्थानों, गहन-तकनीकी स्टार्टअप संस्थापकों और वैज्ञानिक समुदाय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया.

वाई-वाई नूडल्स बनाने वाली कंपनी पर एफएसएसआई की कार्रवाई

नवभारत न्यूज नेटवर्क
अजमेर, 4 सितंबर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने सीजी फूड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के अजमेर स्थित रूपनगढ़ संयंत्र में निरीक्षण के बाद कार्रवाई की है. एफएसएसआई ने कंपनी को आवश्यक मंजूरी और सुरक्षा उपायों के बिना बेज भुजिया नमकौन का उत्पादन बंद करने का निर्देश दिया है. निरीक्षण में खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता, लाइसेंस और पैकेजिंग से जुड़े कई उल्लंघन सामने आने की बात प्राधिकरण ने कही है. एफएसएसआई के अनुसार, संयंत्र में फर्श से एकत्र किए गए टूटे हुए नूडल्स को बिना उचित ताप उपचार के भुजिया उत्पादों में दोबारा इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई.



नवभारत कनेक्ट
नई दिल्ली, 4 सितंबर शिक्षक दिवस से पहले भारती एयरटेल फाउंडेशन ने अपने आजीवन चार राज्यों और 12 आकांक्षी जिलों में साझेदारी 25 वर्षों में 43 लाख से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंच

नि:शुल्क डिजिटल मंच द टीचर ऐप के देशभर में करीब तीन लाख उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने की घोषणा की है। नवंबर 2024 में शुरू किए गए इस मंच का उद्देश्य

समाचार विशेष

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की तैयारी...

गडकरी का बदलेगा मंत्रालय! महाराष्ट्र से किसे मिलेगी जगह?

नई दिल्ली, 4 सितंबर. क्या देश की राजधानी दिल्ली की सत्ता के गलियारों में कोई बहुत बड़ा राजनीतिक उलटफेर होने वाला है? क्या देश के सबसे चर्चित मंत्रालयों के नेतृत्व में कोई ऐसा बदलाव होने जा रहा है जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी? जी हां, इस समय मोदी सरकार के संभावित कैबिनेट विस्तार को लेकर चर्चाएं तेज हो चुकी हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल में जल्द ही एक बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है, जिसमें कई पुराने मंत्रियों को छुट्टी दी जा सकती है



और नए व युवा चेहरों को देश की कमान संभालने का मौका मिल सकता है. इस संभावित बदलाव की सबसे बड़ी खबर यह है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का विभाग बदला जा सकता है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आगामी कैबिनेट विस्तार में कई

2027 और 2029 का बड़ा चुनावी गणित

बीजेपी का यह कदम केवल एक सामान्य प्रशासनिक फेरबदल नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक सोची-समझी चुनावी रणनीति है. साल 2027 में उत्तर प्रदेश और पंजाब में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जो पार्टी के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण और महत्वपूर्ण हैं. इसके ठीक बाद साल 2029 में लोकसभा चुनाव होने हैं. इसी चुनावी विसात को मजबूत करने के लिए मोदी कैबिनेट में महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे महत्वपूर्ण रा'यों को नया और मजबूत प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है.

दीपेंद्र हुड्डा का मामला पीछे हो गया

नई दिल्ली, 4 सितंबर. भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा के एक बयान को बड़ा मुद्दा बनाया था, जो उन्होंने कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के निधन पर दिया था. दीपेंद्र ने स'जन कुमार के निधन को अपूरणीय क्षति करार दिया था. इसके बाद भाजपा उनके ऊपर हमलावर थी और अकाली दल ने तो मोर्चा ही खोला था. लेकिन अब वह मामला दब गया है क्योंकि दिल्ली के तीन भाजपा सांसद उनसे आगे बढ़ कर स'जन कुमार की शोक सभा में चले गए.



दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह विभूट्टी, कमलजीत सहरावत और योगेंद्र चंदोलिया तीनों सज्जन कुमार की श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए. गौरतलब है स'जन कुमार के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में सजा पा चुके हैं और अन्य मामलों में आरोपी हैं. तभी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने तीनों नेताओं को डांट लगाई. लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है. तीनों को पता है कि दिल्ली में उनकी राजनीति के लिए जाट वोट का कितना महत्व है.

महाराष्ट्र में ओबीसी कोटे पर फिर बड़ी हलचल

मुंबई, 4 सितंबर. महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण के मुद्दे के बीच एक बार फिर मराठा और ओबीसी समाज के बीच तनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है. मंगलवार को हुई ओबीसी मंत्रिमंडलीय उपसमिति की महत्वपूर्ण बैठक से तीन मंत्रियों ने दूरी बनाई. मंत्री छान भुजबल, गुलाबराव पाटिल और संजय राठौड़ बैठक में शामिल नहीं हुए. बताया जा रहा है कि तीनों मंत्री ओबीसी महामंडल के लिए पर्याप्त और उचित निधि का प्रावधान नहीं किए जाने से नाराज हैं. इसी नाराजगी के चलते उन्होंने बैठक में हिस्सा नहीं लिया. हालांकि, बैठक में उनकी अनुपस्थिति के कारणों को लेकर संबंधित मंत्रियों की ओर से विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है. मराठा आरक्षण को लेकर मराठा और ओबीसी समाज के बीच बढ़ते विवाद की पृष्ठभूमि में राज्य सरकार ने ओबीसी मंत्रिमंडलीय उपसमिति का गठन किया है. समिति का उद्देश्य ओबीसी समाज से जुड़े आर्थिक और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाना है.

विशेष नई केंद्रीय कार्यसमिति के गठन के बाद भाजपा की चुनावी रणनीति में अब आएगा बड़ा बदलाव

योगी के साथ स्मृति का डबल इंजन प्लान!



लखनऊ, 4 सितंबर. यूपी चुनाव 2027 की बिसात बिछनी शुरू हो चुकी है. सपा और बीजेपी में आने वाले दिनों में यूपी में महासंग्राम शुरू होने वाला है. इसकी सुगबुहाहट बीते

मिली अप्रत्याशित हार के बाद स्मृति ईरानी यूपी से दूर चली गई थीं, लेकिन महासचिव बनने के बाद यूपी के मैदान में दोबारा बड़ी सक्रियता और उनके हालिया सोशल मीडिया पोस्ट्स यह साफइशारा कर रहे हैं कि बीजेपी 2027 के लिए एक बड़ी रणनीति पर काम कर रही है. सवाल उठ रहा है कि क्या स्मृति ईरानी का यूपी में एक्टिव होना बीजेपी के लिए फायदों का सौदा होगा या कोई नुकसान? क्या बीजेपी उनके जरिए उत्तर प्रदेश की विशाल महिला वोटर्स को सीधे अपने पाले में कनेक्ट कर पाएगी है? साल 2024 के लोकसभा चुनाव में हार के बावजूद स्मृति ईरानी ने उत्तर प्रदेश

और खासकर अमेठी से अपना नाता नहीं तोड़ा है. उनके हालिया सोशल मीडिया पोस्ट्सए सार्वजनिक कार्यक्रमों की तस्वीरें और ग्राउंड लेवल पर कार्यकर्ताओं से संवाद इस बात के गवाह हैं. भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय और रा'य स्तर के संगठनात्मक ढांचे में स्मृति ईरानी का नाम एक बार फिर से केंद्र में आ गया है, जिसको दरकिनार नहीं किया जा सकता है. क्या 2027 में ट्रंप कार्ड बनेंगी स्मृति? राष्ट्रीय राजनीति में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की बढ़ती सक्रियता, जेन-जी आंदोलन के बाद बदले हुए हालात में बीजेपी ने स्मृति ईरानी को बड़ी जिम्मेदारी दी है.